

नवम्बर 2022 - मनसा सेवा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
1. अमृतवेले स्व को परमात्म शक्तियों से फुलचार्ज किया?																														
2. सबेरे से शाम तक स्वमान में स्थित रहे?																														
3. मनसा सेवा से अपने कर्तव्य किये?																														
4. कर्म करते डबल लाईट स्थिति रही?																														
5. रात्रि सोने से पूर्व 15 मिनट योग किया?																														

नेचुरल अटेन्शन - जब भी फुर्सत मिले पढ़ाई, योग, मनसा सेवा में स्वयं को व्यस्त रखना है।

- 1 से 5 नवम्बर :- मैं निरंतर पवित्रता के सागर में समाई हुई आत्मा हूं।
 6 से 10 :- मैं मास्टर पतित-पावन आत्मा सबको पावनता की किरणें दे रही हूं।
 11 से 15 :- मैं मास्टर पवित्रता का सूर्य संसार को पवित्रता के वायब्रेशन देने वाला हूं।
 16 से 20 :- मैं आत्मा पवित्रता का लाइट हाउस-माइट हाउस हूं।
 21 से 25 :- परमात्म शक्तियों से संपन्न मैं आत्मा स्वराज्य अधिकारी हूं।
 26 से 30 :- मैं सबके दुःख हरने वाली मास्टर दुःखहर्ता, सुखकर्ता आत्मा हूं।

योग में रहकर यह कर्तव्य रोजाना अवश्य करने हैं

1. अमृतवेले स्वयं को सर्वशक्तियों से फुलचार्ज करना है।
2. बाबा से कम्बाइंड होकर स्वयं के विकर्मों को भस्म करना है।
3. संसार की सर्व आत्माओं को पवित्रता की सकाश देनी है।
4. प्रकृति के पांचों तत्वों को पवित्रता की शक्तिशाली किरणें देनी है।
5. चलते-फिरते निरंतर पवित्रता के वायब्रेशन फैलाते रहना है।
6. दुःखी, रोगी, अशान्त आत्माओं को शान्ति के वायब्रेशन देने हैं।

शिवभगवानुवाच - अपना जीवन हीरे जैसा श्रेष्ठ बनाने के लिए प्रमुख बातों का अटेन्शन (सा.मु. 01.11.22)

- 1 - भोजन बहुत योगयुक्त होकर बनाना और खाना है।
- 2 - एक दो को बाप की याद दिलाकर जीयदान देना है।
- 3 - कोई भी विकर्म नहीं करना है।
- 4 - फालतू बात करने वालों के संग से अपनी संभाल करनी है, झगरमुई-झगमुई नहीं करना है।
- 5 - किसी भी देहधारी में अपनी बुद्धि की आसक्ति नहीं रखनी है, देहधारी में लटकना नहीं है।
- 6 - कदम-कदम पर अविनाशी सर्जन से राय लेते रहना है। अपनी बीमारी सर्जन से नहीं छिपानी है।